2024

HINDI — MINOR

Paper : MN-1

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 75

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं ***तीन*** पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) मन ना रँगाये रँगाये जोगी कपरा।
आसन मारि मंदिर में बैठे
ब्रह्म-छाँड़ि पूजन लागे पथरा।
कनवा फड़ाय जटवा बढ़ौले
दाढ़ी बढ़ाय जोगी होइ गैले बकरा।
जंगल जाय जोगी धुनिया रमौले
काम जराय जोगी होय गैले हिजरा।
मथवा मुँड़ाय जोगी कपड़ा रंगौले
गीता बाँच के होय गैले लबरा।
कहहिं कबीर सुनो भाई साधो,
जम दरवजवा बाँधल जैबे पकड़ा।।

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करे भौंहनि हँसे, देन कहे नटि जाय।
करौ कुबत जगु, कुटिलता, तजौं न, दीनदयाल।
दुखी होंहुगे सरल हिय, बसत, त्रिभंगी-लाल।

(ग) बड़े बड़ाई ना करें, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल।
रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय।
टूटे से फिर न मिले, मिले गाँठ परिजाय।

(घ) ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं॥
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ग्यानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा बिभीषन कहँ अति सकुच-सहित हरि दीन्हीं॥
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करैं कृपानिधि तेरो॥

(ङ) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अद्यानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वार्यौ, सुजान, संकोच औ सोच सहारियै।
रोकौ रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझि के हाथन हारियै॥

2. किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3

(क) "सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं"— इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) मीराबाई की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) जायसी की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(घ) कबीर के काव्य में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) पठित पदों के आधार पर विद्यापति की काव्यगत विशेषताओं पर अपना विचार व्यक्त कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×9

(क) घनानंद की एक रचना का नाम लिखिए।

(ख) कबीरदास के गुरु का नाम क्या था?

(ग) 'कवितावली' किसकी रचना है?

(घ) भूषण किसके दरबारी कवि थे?

(ङ) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?

(च) 'हीन भए जल मीन अधीन'— इस पंक्ति में 'मीन' शब्द का अर्थ क्या है?

(छ) रहीम की काव्यभाषा क्या है?

(ज) रसखान की काव्यभाषा का नाम लिखिए।

(झ) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किसे कहा जाता है?